मुंबई मेट्रो-3 की कमान दिल्ली मेट्रो को

MMRCL ने देखभाल और परिचालन का सौंपा जिम्मा

■ **मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क.** मेट्रो लाइन-3 (बांद्रा-कोलाबा-सीप्स) के परिचालन और देखभाल का ठेका मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने दिल्ली मेट्रो रेल प्रबंधन को सौंप दिया है. शुक्रवार को एमएमआरसीएल का कार्यभार संभाल रहीं अश्विनी भिड़े ने डीएमआरसी को यह ठेका सौंपा. डीएमआरसी के पास देश की सबसे लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन को चलाने और उसकी देखभाल करने का जिम्मा आने वाले 10 सालों के लिए होगा. बता दें कि मुंबई मेट्रो-3 शहर की एक मात्र भूमिगत मेट्रो लाइन है. इसकी लंबाई 33.5 किमी है और इस वजह से यह मेट्रो लाइन देश की सबसे बड़ी भूमिगत मेट्रो लाइन है. इस मार्ग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है. इसका पहला चरण (कोलाबा-बीकेसी) इस वर्ष के अंत में मुंबईकरों के लिए शुरू कर दिया जाएगा, जबकि पूरा मार्ग वर्ष 2026 तक शुरू कर दी जाने की बात एमएमआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारी ने कही है.

हमें मेट्रो-3 के परिचालन का ठेका डीएमआरसी को सौंपने में काफी अच्छा लग रहा है, क्योंकि डीएमआरसी के पास देश की कई मेट्रो लाइन को सफलता पूर्वक चलाने का अनुभव है. हमारा मुख्य उद्देश्य नागरिकों को कम से कम पैसे में सबसे बेहतर सेवा देने का है.

-अश्विनी भिड़े, प्रबंध निदेशक, एमएमआरसीएल

क्या होगा DMRC का कामकाज?

- मेट्रो 3 का परिचालन करना.
- मेट्रो ट्रेन और सिस्टम की देख भाल करना.
- यात्रियों की आवश्यक सुविधाओं की देख भाल करना.
- स्टेशन की परिसर की साफ-सफाई करना.